

I 0661

197

197
Surrey
Vrova vidla

जनी॥ ॐ अक्षय्यं वृक्षं यश॥ ॐ अक्षय्यं यश॥ ॐ गं यश॥ अक्षय्यं यश॥ अक्षय्यं यश॥ अक्षय्यं यश॥
ॐ उरु नलि स्थल॥ ॥ नना दान वृक्षं ॥ ॐ वृक्षं यश॥ ॐ नदि नश॥ ॐ महा काला यश॥ ॐ नमो
नमो यश॥ दानम॥ ॐ नमो यश॥ ॐ दक्षिण दाना यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ लो
माना यश॥ दानम॥ ॐ अक्षय्यं यश॥ ॐ यशमिदं दाना यश॥ ॐ वृक्षं यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
नमो यश॥ दानम॥ ॐ महा काला यश॥ ॐ उरु नलि स्थल॥ ॐ दक्षिण दाना यश॥ ॐ वृक्षं यश॥ ॐ नमो यश॥
यश॥ दानम॥ ॐ वाम दक्षिण यश॥ ॐ वृक्षं यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
ॐ सुवर्ण वृक्षं यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥

त्यलक्ष्मी वाम दक्षिण दाना यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
ॐ सुवर्ण वृक्षं यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
कादवी सदिता यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥
नीलकण्ठ यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥ ॐ नमो यश॥

[illegible]

म क ल य श ॥ तुं ल न व श ॥ तुं उ मा य न य श ॥ तुं ध न य श ॥ तुं श्री नी ल क ल य श ॥ तुं र स न श ॥ तुं द्या
य रू ष ल य श ॥ तुं लि का य श ॥ तुं का मी न य श ॥ तुं द व द वा य श ॥ तुं स र्व रू ष ल य श ॥ तुं द्या व
ती वि या य श ॥ तुं उ ग न न स न ना थ य श ॥ तुं श्री लीं उ ना य श ॥ तुं ना ल क ल य श ॥ तुं स र्व द्या य श
ना य श ॥ ॐ नि द व द न ॥ ॥ द वी दू उ न ॥ तुं उ मा य श ॥ तुं का ल य श ॥ तुं लो क य श ॥ तुं का ल
श ॥ तुं ह म व य श ॥ तुं लीं ग द य श ॥ तुं स द्या य श ॥ तुं स म म ला य श ॥ तुं अ य ल य श ॥ तुं द्या व य श ॥ तुं दु र्ग
य श ॥ तुं मि त्रा य श ॥ तुं वे णि का य श ॥ तुं अ म्बि का य श ॥ तुं का ल ना य श ॥ तुं म ह द य श ॥ तुं म ह द य श ॥
तुं ल वि क य श ॥ तुं ध नि क य श ॥ तुं रु या न क य श ॥ तुं न व क य श ॥ तुं रु न न य श ॥ तुं मि तु व न न य

ॐ शं॥ तुं य न म न ॐ शं॥ तुं आ र्थ न्व य ॐ शं॥ तुं य न म न्व य ॐ शं॥ तुं द व द न्व य ॐ शं॥ तुं ग न य ॐ शं॥ ॐ मा द न्व य ॐ शं॥
 ॥ तुं सि द्ध ग म ॐ शं॥ तुं वि न्व द्या यि ॐ शं॥ तुं स न स्व य ॐ शं॥ तुं नि वि द्य ॐ शं॥ तुं य नि द्या य ॐ शं॥ तुं स्व स्म य ॐ शं॥
 ॥ तुं ग म मा र ॐ शं॥ तुं वा क्श ॐ शं॥ तुं वा क्श ल य ॐ शं॥ तुं अ न्व य र द न का य ॐ शं॥ तुं या यि ॐ शं॥ तुं वा क्श ली
 द वी ॐ शं॥ तुं वि द्या द य ॐ शं॥ तुं स्व वा न् ॐ शं॥ तुं स न नान् ॐ शं॥ तुं न र्ज नी द य ॐ शं॥ तुं क्रि या द य ॐ शं॥ तुं
 ल द्या द वी ॐ शं॥ तुं र या द य ॐ शं॥ तुं स र्व स क्श नी द य ॐ शं॥ तुं सि द्ध न्व नी द य ॐ शं॥ तुं स द्या जा ना य न न
 द य ॐ शं॥ तुं वा म द वा य उ मा द य ॐ शं॥ तुं अ द्या ना य अ द्या न न्व नी द य ॐ शं॥ तुं ॐ न्ना ना य वा र्ध नी द
 य ॐ शं॥ तुं न ल्प नू या य अ म ना द य ॐ शं॥ अ वा द ना दि ॥ ॥ न न ॥ स्त नी ॥ क ल मा दा य ॥ ॐ य नु ॥ नी थ

[illegible]

मादिआ(गत्या॥३॥मुंमयादिद्यादनासीत्या॥३॥प्रनियदादिनिथित्या॥३॥आदित्यादिग
 हत्या॥३॥अक्षयवीर्ण॥स्नानमालत्यादि॥३॥रुल॥ग्रीरुलंकुलीजाकृष्णवीवहनिनकीनथा
 ।आम्हीनैवदनी(प्रेवकाठिमंरुलमधूमं॥न्ययन्वत्॥सर्वसोराग्यसंयतिनाष्टपदधि
 र्यदद।नाग(ग)कविनिर्मूर्कनाम्वलंयनिगृह्णी॥॥नेवद्य॥नेवद्यंनृह्णीदवत्कि
 भर्जनीकन॥॥विर्णसंरुलंयदि(येप्रपुत्रुयनीगर्णि॥॥अथिनभूवक॥सम्बर्चय
 वद्व(र्ण)नद्यनवयावयत्तथा।सर्कनासदिनेयकंयकांनैयनिगृह्णी॥॥धूय॥
 वनस्यननिहंदवंगन्ध्यानिष्सीयूनी।आदांनैसर्वदवानीधूयार्थयनिगृह्णी॥॥

五

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ मङ्गलार्चनम् ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ स्वस्थानी व्रतस्य
 न्यासः ॥ ॐ देवीवल्लकामिनी दद्याय नमः ॥ ॐ मित्रवन्धमथनायै शिरसे स्वाहा ॥ ॐ त्रैलोक्य
 कविनामनी शिखायै वो षट् ॥ ॐ दशदिग्वायुवेगधारिणी कवचाय हुँ ॥ ॐ वरुण
 चण्डमथनायनेत्रत्रयाय वे षट् ॥ ॐ सुठार्यै अस्त्राय फट् ॥ एवं करुण न्यासः ॥
 ॐ ह्रीं ह्रीं देवीपार्वती शुभायी ॐ श्रीशुभायै ॐ नमो देवीवल्लकामिनी मित्रवन्धमथ
 नायनी त्रैलोक्यकविनामणी दशदिग्वायुवेगधारिणी वरुणचण्डमथनायनी सुठामूर्तये

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमः श्रीवदकहोत्रवाया ॥ श्रीहोत्रवदवाचा दवादिद ह न कथं का न कथं तां कुर्वं मय कसाध
 काय न विनाममम नमिषा न लष्वम हाघात्रमहावायुर्वनं ष्व ॥ ॐ नमः पर्वतगुह्य
 षूङ्गादिवादिर्वधूष ॥ श्रीदवावाच ॥ कथयामिष्टु लपा इव दूर्क कवचं गुह्यं ॥ ॐ नमः
 नीयं पुनस्तन साहजानमवापन ॥ ॐ नमः श्रीवदकहोत्रकलानंदहोत्रकसुषिरनक्षत्रकन्द
 ४ वदकहोत्रवा दवा द्रीवीजं श्रीगकित्रहीष्ट सिद्धार्थं उपविनियोग ॥ सहसात्रम
 हापद्मं कर्पूरं वसंतगुह्यं ॥ पापु मां हं नवा दवा वदक ४ सर्वकर्मसु ॥ पूर्वशो मति
 तां ॥ नमः दिग्विजयं सर्वदा ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥

८४ पाठुमासु न्मरुमुय शिभे ॥ वायव्यौ मं कपा नीच निधं पाया सूरं ग्वर ४॥ ती स ॥
रव ४ पाठुदु न्मरु न्मरु ददि मि ॥ सं हा रते रव ४ पाठुदि मि ॥ ग्वा मरु ग्वर ४ ॥ दुई पाठु
विभीता व पाताल ॥ न न्मरु कायु वि सघा जात न्मरु मा पाया सूर्यो देव मं वि ॥ त ॥ वा मरु द वा व ४
पाठु व न ॥ धार सुथा व ४ ॥ ज स न सूर ४ पाठु ४ ॥ सूरं पाठु गुरु ४ सदा ॥ ज कि नी पू ४ क ४ पा
ठु पू ४ ग ४ म सूर ४ त ४ पु ४ ॥ हा कि नी पू ४ क ४ पाठु ४ दा मा न्मरु न्मरु कि नी सूर ४ ॥ पाठु ४ म कि नि पू ४
प्रिया म सूर ४ त ४ मि ४ ४ मो ति नी पू ४ क ४ पाठु ४ य म न्मरु ग जा ल ॥ म हा का सा व ४ क ४ ४ सै न
वै ना रते रव ४ ॥ वा यं वा य प्रिय ४ पाठु रते रवा ती गि हा र वा ॥ न त क व र मी म न त त ४ ॥

सुका मिता ॥ ना र्थ यं न र ला क ष सा र ह गं सूर प्रियं ॥ य सौ क सौ न दा ग वी क व रं गुरु ४ त
त ॥ न द यं य र मि थ ४ क ४ प ॥ ८ ॥ य म ग क ४ त ४ ॥ या द दा गि नि वि ४ ४ सूर ४ क ४ त ४ व ४
न न क व रं न व र द ४ क ४ वा वि र ४ ४ ॥ वि र न न य ग क ४ पा वि वि द ४ पा प ४ त ४ म ॥ म न
न प्रिय म या गी क व रं न क ४ क ४ ग ४ ॥ ग म ॥ सूर ४ य ४ त ४ न द ४ त ४ पा प ४ त ४ म ॥ ४ ४ त ४
वं वा पि नि पि ला वि द ४ ध ४ प्रिय ॥ धा र य ४ ४ ४ धा पि प ४ ४ ४ धा पि च नि य ४ ४ ४ स मा प्रा ति
रु तं स र्वा ना ग का र्था वि वा र ४ ॥ स ता न्मरु ४ ४ ४ क ४ य ४ र ४ र व स ४ ४ ४ त ४ ॥ न म क ४ म ४
य पू ४ क व र स ४ वा र ४ ॥ न मा र ४ र व द वा य सा र ह ता य न न म ४ ॥ न मा र ४ सा क ४

दुर्गा विमर्श मद्रापुर मन्त्रि सर्व इह विना गिति निश्रय सा रात्रि पुर द्विजना दनि नमाः सुगीय
 द्वासां महाविद्यामय मा जिता पत्र प्रवेष्टुं मन्त्रा वने यमा कु मंजय निप ० तिस्रत्र नि ० ॥
 ति धी यनि वा व यनि की र्क यनि वा व यनि ने न स्य कदा विद श्रि वा य ० ॥ जो य त नि ता व
 र्क उ ॥ य पा न पृष्ठि य हु न के स सु मं द ह य न न दी र्क यं न यो र ह यं र ह्ने र्क यो पा ॥ ह यं वा ह व ०
 क वि ० ॥ न म्म किय दे नू दा ह्ने ० ॥ ग ग सि द्वा रि पू डि ने ० ॥ ग य ॥ न मा र न को यो म्मु ह य
 श्रु यं श्रु न यं श्रु य मा जि गं श्रु वि ग य प रि ग सि द्वा र सि द्वा र सं सि द्वा र वि गं ला ह ॥ ५ क न
 ॥ उ म्भ क्क व श्रु नू च नि ग य सि हा वि रि जा ग व द स मा न स्का के ॥ ने री न म्भ त्रि ॥ ने वि ग
 व रि कि रा ति स र ह्ति मा ग द्वि द्वा र य ॥ ग य द नू दा रि वि श्रु वा रि नि वृ त्त वा दि नि व र

॥ ५ ॥

नि धा रि नि का रि क पा रि नि धि य न र्क व र द सूर्य द सूर्य सा धि नि म मा प र स्यं ना ग य
 ना म य ज स ग रं सूर्य ग रं या ना स म क री क्क ग रं सूर्य पि ही ति ग रं सूर्य पि द्र व सूर्य र द्वा र्मा
 य स्या ० ॥ पु न र्क गं पृथ्वा ग इ धि य त रं य दि वि न ॥ ५ ॥ द्वा र्क य स्या ० ॥ का क व सूर्य य या ह
 व ॥ सा रि वि ला र्क य क्क उ रा व ना कं क्क म न वा ॥ क र य की रि मां वि ग्रा म गं द्वा र्क रि ति
 य ग ॥ ५ ॥ वि यो पि सा र्क व र्क क्क उ रा व ना कं क्क म न वा ॥ क र य की रि मां वि ग्रा म गं द्वा र्क रि ति
 यो र ह यं यो रा रि ति यं र सूर्य यो रा रि ति ॥ ग म्मु क्क क र य द वा स म र क्क उ क्क रि ति ॥ ग म्मु क्क
 स्या रि ना म यो ॥ क्क यं ना म य रि ति ॥ ग म्मु क्क क र य द वा स म र क्क उ क्क रि ति ॥ ग म्मु क्क
 रि कं द्वा रि कं शा रि कं वा रु र्क कं मा रि क म द्वा रि कं वा रि कं यो रि कं ॥ ५ ॥

1730 I

सा ह्वा॥ उं यं देवा गतं वायं तं पुं वयं निगच्छन्तु सा ह्वा॥ उं वत्तं स्वा ह्वा॥ उं महावत्तं स्वा ह्वा॥ उं त्रुजि नं स्वा
 ह्वा॥ उं श्रुय नाजि नं स्वा ह्वा॥ अहि दुष्टा धनी मं नां यं यं १० त्रुय नं ४ पु वि ४। सर्वार्थ सिद्धि मा प्राप्ति
 सर्वं न कुरु निवा नर्त्त॥ सर्वं ह्वा तं यं नैव सर्वं वा वि ह्वा यं तथ्वा॥ व म्पार्थ काम मा कुरु तं न नाग
 सर्वं यं ४॥ इति विष्णु धर्मा ह्वा तं ती य को ॥ पु श्रु मा ध वे वृ वी ना न र्त्त सा सु विज या य ना जि ना
 महा म्मु नि ना स्त्री समा क॥ उं नमः श्री ग ल ग म या॥ ग्रा ष्ठी व न उ द वा ॥ उं नृ द वि पु व श्रु नि क्त र्त्त सर्व सि धि दं। प ०। सा ध न यि
 सा व म्प्रा तं सर्वं तं क य ता॥ नृ सा सा क व र्त्त वि ग ॥ ए ग म नृ ज यं ग्रा सि धि र्त्त मा य गे ग म्प क त्थ का टि ने ने र वि ॥ उं त्रु मा द ४
 मि न सि या दु पु मा द ४ मि ना प नि। सं मा द ४ प्र यू ॥ ए पा उ गू म ॥ ध व ग ॥ धि च शा ग ॥ धी ॥ उं ध कू य मं ना ग म्प ग ल ना य क ४॥
 ग ॥ धी ॥ उं ध कू य मं ना ग म्प ग ल ना य क ४॥ जि ज्ञा यां प्र म ख ४ पा उ ग्री वा यां उं म्प र्त्त ४ स दा वि धु ॥ ग ॥ ध व य या उ वि धु ना ग ॥ य
 व क शि ॥ ग ॥ धी ना य क ४ पा उ वा दू य ॥ अ स दा न मा वि धु क ॥ उं उ द र वि धु ॥ उं वि ति ग कं ॥ ग ॥ ज व कु ४ क टी द ॥ ग ॥ उ क

द क्का नि ग म्प क॥ र्त्त वा द न ४ पा उ प ४ उं उ क द ॥ उं म म्प ४॥ या त य द्वा प वी ती नं वा उ पा द य ॥ स दा। ज व क ४ र्त्त वा पा उ ज
 नृ उं ध ग ॥ धि प ४। ह म्प ४। र्त्त वा द य उ म्प ४। उं म न ना य क ४। य न्द पु क ० वि र्त्त ग ॥ ग म्प म ह्वा वि ॥ क व र्त्त सर्व म्प ४। र्त्त वा
 सर्व वि धु वि ना ग कं॥ सर्व सि धि क र्त्त सा सा र्त्त वा य प पु मा व र्त्त॥ सर्व र्त्त य द्वा सा सा र्त्त वा र्त्त क र्त्त र्त्त॥ ए ह यी ज नृ ना ग म्प य र्त्त
 नृ उं म्प क द य ४॥ य ० ना र्त्त व ४। र्त्त वा य ना ग म्प या नि ग क ॥ म ग्प ॥ ध न म्प ना क र्त्त द वि क व र्त्त म्प र्त्त र्त्त॥ स मा ना सि म ह्वा
 नि र्त्त वा र्त्त व र्त्त वा ॥ इति ॥ स म ह्वा म्प क व र्त्त र्त्त वा र्त्त वा ॥ कि म्प र्त्त स दा सा प यी ग य ४ द य ना मि या ग्प ॥ १४ ॥
 इति श्री र्त्त व न पा र्त्त ती र्त्त वा द र्त्त वि द्वा ग ॥ ल क व र्त्त र्त्त म्प क॥ ५ ५

॥ इति श्री र्त्त व न पा र्त्त ती र्त्त वा द र्त्त वि द्वा ग ॥ ल क व र्त्त र्त्त म्प क॥ ५ ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ४ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीहरिणे नमः ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री कृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 दशरूपेशं ध्यायेत् ॥
 तदा मुक्तिमाप्नुयान् ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

卷二

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

३३ ॥ ॐ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥
 ॐ गणेशाय नमः ॥ २ ॥ गणेशाय नमः ॥ ३ ॥ गणेशाय नमः ॥ ४ ॥ गणेशाय नमः ॥ ५ ॥ गणेशाय नमः ॥ ६ ॥ गणेशाय नमः ॥ ७ ॥ गणेशाय नमः ॥ ८ ॥ गणेशाय नमः ॥ ९ ॥ गणेशाय नमः ॥ १० ॥ गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वमोक्षदायक ॥ ६ ॥
सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वशत्रुहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वदुष्टहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वसुखदायक ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वमोक्षदायक ॥ ६ ॥
सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ७ ॥
सर्वशत्रुहर्त्रा ॥ ८ ॥
सर्वदुष्टहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वसुखदायक ॥ १० ॥